# Shri Sarasvati Dashashloki

# श्रीसरस्वतीदशश्लोकी

## Document Information

Text title : Shri Sarasvati Dashashloki

File name : sarasvatIdashashlokI.itx

Category : devii, devI, dashaka, sarasvatI

Location : doc_devii

Proofread by : Narendran Madathil

Latest update : July 20, 2026

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanskript**.

July 21, 2026

*sanskritdocuments.org*

# श्रीसरस्वतीदशश्लोकी

या वेदान्तार्थतत्त्वैक-स्वरूपा परमार्थतः ।
नामरूपात्मना व्यक्ता सा मां पातु सरस्वती ॥ १॥

या साङ्गोपाङ्गवेदेषु चतुर्ष्वेकैव गीयते ।
अद्वैता ब्रह्मणः शक्तिः सा मां पातु सरस्वती ॥ २॥

या वर्णपदवाक्यार्थ-स्वरूपा परमार्थतः ।
अनादिनिधनानन्ता सा मां पातु सरस्वती ॥ ३॥

अध्यात्ममधिदैवं च देवानां सम्यगीश्वरी ।
प्रत्यगास्ते वदन्ती या सा मां पातु सरस्वती ॥ ४॥

अन्तर्याम्यात्मना विश्वं त्रैलोक्यं या नियच्छति ।
रूद्रादित्यादिरूपस्था सा मां पातु सरस्वती ॥ ५॥

या प्रत्यग् दृष्टिभिर् जीवैर् व्यज्यमानानुभूयते ।
व्यापिनी ज्ञप्तिरूपैका सा मां पातु सरस्वती ॥ ६॥

नाम-जात्यादिभिर् भेदैरष्टधा या विकल्पिता ।
निर्विकल्पात्मना व्यक्ता सा मां पातु सरस्वती ॥ ७॥

व्यक्providedाव्यक्तगिरः सर्वे देवाद्या व्याहरन्ति याम् ।
सर्वकामदुधा धेनुः सा मां पातु सरस्वती ॥ ८॥

यां विदित्वाखिलं बन्धं निर्मथ्याखिलवर्त्मना ।
योगी याति परं स्थानं सा मां पातु सरस्वती ॥ ९॥

नामरूपात्मकं सर्वं यस्यामावेश्य तां पुनः ।
ध्यायन्ति ब्रह्मरूपैका सा मां पातु सरस्वती ॥ १०॥

इति श्रीसरस्वतीदशश्लोकी सम्पूर्णा ।

(From sarasvatIrahasyopaniShad)

Proofread by Narendran Madathil

*Shri Sarasvati Dashashloki*

pdf was typeset on July 21, 2026

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*